4/12/19 E

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3515 **J**

Unique Paper Code : 12135901

Name of the Paper : Basics Sanskrit (CBCS)

Name of the Course : **B.A. (Hons) Sanskrit, GE-1**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** Questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

P.T.O.

munotes.in

1. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का संस्कृत में अनुवाद कीजिये : (5×2=10)

Translate into Sanskrit any **five** of the following :

(i) संस्कृत देवताओं की भाषा है।

Sanskrit is a divine language.

(ii) गाँव के दोनों ओर पर्वत हैं।

The village has mountain on both sides.

(iii) विद्या मुक्ति के लिये होती है।

Knowledge leads to salvation.

(iv) राजा ब्राह्मण को धन देता है।

King gives money to Brahmana.

(v) देव गाँव से आता है।

Dev comes from village.

(vi) पेड़ से पत्ते गिरेंगे।

Leaves will fall from the tree.

(vii) छात्र पढ़ने के लिये विद्यालय जाते हैं।

Students go to school to study.

(vii) छात्र गुरु से प्रश्न पूछता है।

The student asks question from the teacher.

(viii) हम दोनों गाँव में रहते हैं।

Both of us live in a village.

(ब) निम्नलिखित में **दस** शब्दों के विभक्त्यनुसार रूप लिखिये। (10×1=10)

Write declensions as per Vibhakti in any **ten** of the following words :

(i) तृतीया विभक्ति - अस्मद्, लता, शिशु

(ii) द्वितीया विभक्ति - ईश्वर, गृह, मति

(iii) पञ्चमी विभक्ति - तत् (पु.), युवन्, नदी

(iv) षष्ठी विभक्ति - बालिका, नामन्, पति

(v) चतुर्थी विभक्ति - युष्मद्, बालक, किम् (स्त्री.)

munotes.in

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** धातुओं के क्रियारूप लिखिये : (10×1=10)

Write conjugations of any **ten** of the following roots :

(i) लोट् लकार, मध्यम पुरुष- गम्, पठ्, श्रु

(ii) लङ् लकार, उत्तम पुरुष- लिख्, भू, लभ्

(iii) लृट् लकार, मध्यम पुरुष- दृश्, अस्, ज्ञा

(iv) लट् लकार, प्रथम पुरुष- खाद्, दा, लभ्

(v) लङ्लकार, उत्तम पुरुष- सेव्, ज्ञा, अस्

3. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों का सन्धि विच्छेद कीजिये : (5×1=5)

Disjoin any **five** of the following :

गायकः, श्रीशः, पवनः, मनोरथः, निश्छलः, इत्यादिः, अत्याचारः, सुरेन्द्रः, अन्वयः

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों की सन्धि कीजिये : (5×1=5)

Co-join any **five** of the following words to form 'Sandhi' :

अभि + उदयः, अनु + आदेशः, गज + इन्द्रः, महा + ऋषिः, महा + ईशः, परम + उपकारकः, न + उपलब्धिः, कण्ठ + उच्चारणः, सु + आगतम्

4. (अ) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **पाँच** शब्दों का प्रकृति - प्रत्यय निर्देश कीजिये । (5×1=5)

Mention root and suffix (प्रकृति - प्रत्यय) in any **five** of the following :

कृतः, यजमानः, गतवान्, पठत्, सेवमान, आगतः, भवत्, दृष्टवान्, गच्छन्

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों का प्रकृति - प्रत्यय अलग कीजिये । (5×1=5)

Make five words using the following the root and suffix (प्रकृति - प्रत्यय) :

गम् + क्त्वा, आप् + तुमुन्, उप + कृ + ल्यप्, खाद् + तुमुन्, गम् + अनीयर्, कृ + क्तवतु, आ + गम् + क्त, पच् + शतृ, आ + नी + ल्यप्

munotes.in

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का वाच्यपरिवर्तन कीजिये। (5×2=10)

Change the voice of any **five** of the following sentences :

(i) अहं पत्रं लिखामि।

(ii) बालिका गृहं गच्छति।

(iii) ते पुस्तकानि अपठन्।

(iv) छात्रः गुरुं प्रश्नं पृच्छति।

(v) राधा हसति।

(vi) वयं मोदकं खादामः।

(vii) शिशुः जलं पिबति।

(viii) राजानः गृहं गतवन्तः।

(ix) त्वं तं पश्यसि।

(x) तौ पुस्तके अपठताम्।

6. किन्हीं **दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिये : (2×2.5=5)

Translate any **two** of the following Shloka :

(i) मय्यावेश्य मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते।
श्रद्धया परयोपेतास्ते ये युक्ततमा मताः ।।

(ii) मय्येव मन आधत्स्व मयि बुद्धिं निवेशय।
निवसिष्यसि मय्यएव अत उर्ध्वं न संशयः ।।

(iii) यस्मान्नोद्विजते लोको लोकान्नोद्विजते च यः।
हर्षाहर्षभयोद्वेगैर्मुक्तो यः स च मे प्रियः ।।

(iv) समः शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयोः।
शीतोष्णसुखदुःखेषु समः सङ्गविवर्जितः ।।

7. श्रीमद्भगवद्गीता के बारहवें अध्याय के अनुसार निर्गुण भक्ति के स्वरूप और उसकी श्रेष्ठता का वर्णन कीजिये। (10×1=10)

Describe the nature of 'Nirguna-Bhakti' and its excellence according to the 12th chapter of the Shrimadbhagavadgita.

munotes.in

अथवा / OR

भगवत्भक्तों के लक्षणों पर प्रकाश डालिये।

Give the details of the characteristics of the devotees of Almighty (भगवद्भक्त).

munotes.in